

अब इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्रों के लिए योग अनिवार्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. अब देश के इंजीनियरिंग कॉलेजों व तकनीकी संस्थानों के छात्रों को इस सत्र से योग समेत पांच अतिरिक्त पाठ्यक्रमों में से एक में भाग लेना होगा। एआईसीटीई ने इसे संबद्ध तकनीकी संस्थानों के सभी छात्रों के लिए अनिवार्य कर दिया है। एआईसीटीई के दायरे में इस वक्त करीब 10,000 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। जिनमें तकरीबन 18 लाख छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

देश और समाज से होगा जुड़ाव

एआईसीटीई के अधिकारी के मुताबिक इनमें छात्रों की भागीदारी को अनिवार्य कर दिया गया है। योग और खेल के अभ्यास से छात्रों को शरीर व मन का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। जबकि एनसीसी, एनएसएस और उन्नत भारत अभियान में भागीदारी राष्ट्र व समाज के प्रति 'मूल्यों' को पैदा करेगी। ताकि वे सिर्फ पेशेवर के रूप में स्नातक न हो बल्कि एक अच्छे इंसान भी हो।

तकरीबन 10,000 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जिनमें करीब 18 लाख छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।



25 फीसदी उपस्थिति होगी अनिवार्य

देश के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्रों के लिए योग और खेलों के सत्र में कम से कम 25 फीसदी उपस्थिति सुनिश्चित करना जरूरी होगा। यदि अब अब योग या खेलों के सत्र में भाग नहीं लिया तो इंजीनियरिंग की डिग्री भी नहीं मिलेगी। हालांकि छात्रों को अतिरिक्त गतिविधियों में उनकी भागीदारी के लिए कोई अतिरिक्त अंक या क्रेडिट नहीं मिलेगा।

पहले विकल्प के रूप में था योग

एआईसीटीई के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक तकनीकी शिक्षा में अतिरिक्त पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियां पहले से ही पाठ्यक्रम का हिस्सा थीं, लेकिन तब यह छात्रों के लिए विकल्प के रूप में था। इसे अब अनिवार्य कर दिया है। छात्रों को डिग्री पाने के लिए पांच गतिविधियों में से किसी एक को चुनना ही होगा।